GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE
DEPARTMENT OF AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE

RAJYA SABHA
STARRED QUESTION NO. 48
TO BE ANSWERED ON THE 26/07/2024

LEGISLATION TO PROVIDE LEGAL GUARANTEE OF MSP

*48. SHRI RAMJI LAL SUMAN

Will the Minister of AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE be pleased to state:-

(a) the number of meetings of the Committee constituted on Minimum Support Price (MSP), held since 12th July, 2022 till July, 2024 along with the dates and agenda of the meetings, meeting-wise;

(b) whether Government is contemplating to bring legislation to provide legal guarantee of MSP to farmers as per Swaminathan Committee recommendations, during the current Monsoon session of Parliament;

(c) if so, the details thereof; and

(d) if not, the reasons for deviation from its promise made to farmers bodies in 2021?

ANSWER

THE MINISTER OF AGRICULTURE AND FARMERS WELFARE

(SHRI SHIVRAJ SINGH CHOUHAN)

(a) to (d): A statement is laid on the Table of the House.

STATEMENT IN RESPECT OF PARTS (a) TO (d) OF RAJYA SABHA STARRED QUESTION NO. 48 DATED 26/07/2024 REGARDING LEGALISATION TO PROVIDE LEGAL GUARANTEE OF MSP.

(a) to (d): The Government is committed that the full benefits of MSP reach the farmers of the country. Hence a committee has been constituted by the government to provide MSP to the farmers of the country and to give suggestions on making the system more effective and transparent. Additionally, the Committee was asked to examine the feasibility of giving greater autonomy to the Commission for Agricultural Costs and Prices (CACP) and ways to make it more scientific; and with a view to ensuring higher prices, mandate has also been given to give suggestions for strengthening the agricultural marketing system as per the changing needs of the country. This committee is also working on the topics of natural farming and crop diversification. The meetings of this committee are being organized regularly and since July 22, 2022, 6 meetings have been held till now. Additionally, 35 meetings of various sub-committees have also been held on the above subjects.

****

भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
राज्य सभा
तारांकित प्रश्न संख्या 48
26 जुलाई, 2024 को उत्तरार्थ

विषय: एमएसपी की कानूनी गारंटी प्रदान करने हेतु कानून

***48 श्री रामजी लाल सुमनः**

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर गठित समिति की 12 जुलाई, 2022 से जुलाई, 2024 तक की अवधि के दौरान कितनी बैठकें आयोजित की गई हैं तथा बैठकों की तिथियों और कार्यसूची का बैठक-वार ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या सरकार संसद के वर्तमान मानसून सत्र के दौरान स्वामीनाथन समिति की सिफारिशों के अनुसार किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी प्रदान करने हेतु कानून लाने पर विचार कर रही है;
(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(घ) यदि नहीं, तो वर्ष 2021 में किसान संगठनों से किए गए वायदों से पीछे हटने के क्या कारण हैं?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री (श्री शिवराज सिंह चौहान)

(क) से (घ) : विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

एम.एस.पी. की कानूनी गारंटी प्रदान करने हेतु कानून के संबंध में 26 जुलाई, 2024 को उत्तरार्थ राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या 48 के भाग (क) से (घ) के संबंध में विवरण।

(क) से (घ): सरकार प्रतिबद्ध है कि एमएसपी का पूरा लाभ देश के किसानों तक पहुंचे। इसीलिए सरकार द्वारा देश के किसानों के लिए एम.एस.पी की व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाने पर सुझाव देने के लिए एक समिति गठित की गयी है। इसके अतिरिक्त, इस समिति को कृषि लागत और मूल्य आयोग (सी.ए.सी.पी) को अधिक स्वायत्तता देने की व्यावहारिकता तथा इसको और अधिक वैज्ञानिक बनाने के उपायों; तथा उच्चतर मूल्य सुनिश्चित करने की दृष्टि से देश की बदलती आवश्यकताओं के अनुसार कृषि विपणन प्रणाली को सुदृढ़ किए जाने हेतु सुझाव देने का भी अधिदेश दिया गया है। यह समिति प्राकृतिक खेती और फसल विविधीकरण के विषयों पर भी कार्य कर रही है। इस समिति की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जा रही हैं एवम 22 जुलाई 2022 से अब तक 6 बैठकें हो चुकी हैं। इसके अतिरिक्त, उपरोक्त विषयों पर विभिन्न उप-समितियों की 35 बैठकें भी आयोजित की गई हैं।

****

श्री रामजी लाल सुमन: सभापति महोदय, मैंने कृषि मंत्री जी से जो सवाल पूछा था, उसका बिल्कुल भी उत्तर नहीं मिला है। यह सरकार किसानों की समस्याओं से बचकर निकलना चाहती है। किसानों की समस्याओं पर यह गंभीर नहीं है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: रामजी लाल सुमन, आप अपना सप्लीमेंटरी पूछिए।

श्री रामजी लाल सुमन: सर, पूछ रहा हूं। मैंने यह पूछा था कि ये किसानों की समस्याओं पर 22 जुलाई, 2022 को जो कमेटी बनी थी, उसकी कितनी बैठकें हुई हैं और उनकी कार्यसूची का ब्यौरा क्या है? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: माननीय मंत्री जी।

श्री रामजी लाल सुमन: सर, आप मुझे अपना सवाल पूछने दीजिए।...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: तो आप पूछिए।

श्री रामजी लाल सुमन: सर, मैं यही निवेदन करना चाहता हूं कि जो 2021 में गंभीर आंदोलन हुआ और उसमें 750 किसान मारे गए।...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: रामजी लाल जी, आप बहुत अनुभवी सदस्य हैं और सबसे पुराने भी हैं। आप माननीय मंत्री जी से अपनी सप्लीमेंटरी पूछिए।

श्री रामजी लाल सुमन: सर, मैं यह जानना चाहता हूं कि वह जो कमेटी बनी, उस कमेटी की छह बैठकें हुईं, उनका ब्यौरा क्या है?

श्री सभापति: माननीय मंत्री जी। सुमन जी आपने काफी लंबा सवाल पूछ लिया है।

श्री शिवराज सिंह चौहान: माननीय सभापति महोदय, सबसे पहले तो मैं यह कहना चाहूंगा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है। किसान की सेवा हमारे लिए भगवान की पूजा जैसी है।...(**व्यवधान**)...

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: सर, इसलिए उन्होंने...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: प्लीज़, आप बैठिए। माननीय मंत्री जी को बोलने दीजिए।

श्री शिवराज सिंह चौहान: सभापति महोदय, तीन विशिष्ट उद्देश्यों- एक किसानों को एमएसपी उपलब्ध कराने, व्यवस्था को और प्रभावी बनाने और पारदर्शी बनाने पर सुझाव देने के लिए समिति

का गठन हुआ। इसके साथ दो काम और हुए। एक, समिति को कृषि लागत और मूल्य आयोग को अधिक स्वायतता देने की व्यावहारिकता और इसको अधिक वैज्ञानिक बनाने के उपाय तथा उच्चतर मूल्य सुनिश्चित करने की दृष्टि से देश की बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप कृषि विपणन प्रणाली को सुदृढ़ करने के सुझाव देने का भी अधिदेश दिया गया। इसके साथ-साथ कृषि के विवधिकरण और प्राकृतिक खेती पर भी यह समिति विचार कर रही है। जैसाकि माननीय सदस्य ने कहा 22 बैठकें हो चुकी हैं। लगभग 22 जुलाई से अब तक छह बैठकें और 35 उप समिति की बैठकें हो गई हैं। अभी समिति की रिपोर्ट नहीं आई। समिति अपना कार्य कर रही है और जैसे ही समिति अपनी रिपोर्ट देगी, सिफारिश करेगी, सरकार उस पर विचार करेगी।

MR. CHAIRMAN: Second supplementary, Shri Ramji Lal Suman.

श्री रामजी लाल सुमन: महोदय, समिति विचार करेगी, बैठक होगी। यह जो अनिश्चितता का वातावरण है।...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप पूछिए।

श्री रामजी लाल सुमन: यह अनिश्चितता का वातावरण कैसे दूर होगा? महोदय, ये किसानों को भगवान बता रहे हैं, तो मैं यह आरोप लगाना चाहूंगा कि इनको किसानों की समस्याओं से कुछ लेना-देना नहीं है।

श्री सभापति: रामजी लाल जी, आप प्रश्न पूछिए।

श्री रामजी लाल सुमन: सभापति महोदय, मेरा पूरक प्रश्न यह है कि जो न्यूनतम समर्थन मूल्य है, यह 1966-67 से शुरू हुआ और व्यवहार में बात यह है - क्योंकि हम भी खेती करते हैं - किसान को कभी भी एमएसपी का लाभ नहीं मिला। सभापति महोदय, इसीलिए किसानों ने मांग की है कि एमएसपी को कानूनी गारंटी दी जाए। सभापति महोदय, मैं आपकी आज्ञा से माननीय कृषि मंत्री जी से जानना चाहता हूं - आप सीधा जबाव दीजिएगा, आप बचिए मत- आप एमएसपी को कानूनी गारंटी देना चाहते हैं या नहीं?

श्री सभापति: माननीय मंत्री जी, एक सेकंड। राम शिव से सवाल पूछ रहे हैं। अब आप बोलिए।

श्री शिवराज सिंह चौहान: सभापति महोदय, भगवान राम ने कहा था,

'शिव द्रोही मम दास कहावा सो नर मोहि सपनेहु नहि पावा।'

...(**व्यवधान**)... माननीय सभापति महोदय, प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में यह सरकार निरंतर किसान के कल्याण के कामों में लगी हुई है। मैं आपके माध्यम से सदन को यह बताना चाहता हूं कि एमएसपी की दरें, किसान को ठीक दाम देने के लिए लगातार बढ़ाई गई हैं। ये गलत आरोप लगा रहे हैं, सरकार की छह सूत्रीय रणनीति किसान को दाम देने के लिए है।

एक, उत्पादन बढ़ाना, दूसरा, उत्पादन की लागत को घटाना, तीसरा, उत्पादन के ठीक दाम देना, चौथा ...(**व्यवधान**)...

श्री रामजी लाल सुमन: माननीय सभापति जी, क्या माननीय मंत्री जी एमएसपी की गारंटी किसानों को देंगे?

श्री सभापति: आप क्यों डिस्टर्ब करते हैं? माननीय मंत्री जी जवाब दे रहे हैं। रामजी लाल जी, आप एक बार बैठ जाइए। आप मंत्री भी रह चुके हैं, आप अनुभवी हैं। आप प्रश्न पूछिए, लेकिन बीच में मत टोकिए। It is not required. माननीय मंत्री जी।

श्री शिवराज सिंह चौहान: माननीय सभापति महोदय, हमें किसान विरोधी कहा जा रहा है। मैं कह रहा हूं कि हम उपाय कर रहे हैं। प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी से बड़ा किसान हितैषी कोई नहीं है। इसीलिए उत्पादन का ठीक दाम देना, प्राकृतिक आपदा हो, तो नुकसान की भरपाई करना, कृषि का वृद्धिकरण और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देकर किसानों को उचित दाम देना। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप सुनिए।

श्री शिवराज सिंह चौहान: माननीय सभापति महोदय, जब समिति की रिपोर्ट आएगी, तब हम कार्रवाई करेंगे, लेकिन तब तक हम चुप नहीं बैठेंगे। मैं आज बताना चाहता हूं कि जो एमएसपी के दाम हैं, इसी सरकार ने, नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने 2013-14 तक बाजरा के दाम 1,250 रुपए थे, हमने उसके दाम 2,625 रुपए घोषित किए, जौ के दाम 1,100 रुपए थे, हमने उसके दाम 1,850 रुपए घोषित किए, मक्का के दाम 1,310 रुपए थे, हमने उसके दाम 2,225 रुपए घोषित किए, रागी के दाम 1,500 रुपए थे, हमने उसके दाम 4,290 रुपए घोषित किए, गेहूं के दाम 1,400 रुपए थे, हमने उसके दाम 2,275 रुपए घोषित किए, तुअर के दाम 4,300 रुपए थे, हमने उसके दाम 7,750 रुपए घोषित किए। इस तरह से आप 23 फसलों के दाम देख लीजिए। ...(**व्यवधान**)...माननीय सभापति महोदय, ...(**व्यवधान**)...

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: सर, माननीय सदस्य का सवाल एमएसपी को लीगलाइज़ करने के संबंध में था और मंत्री जी ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Mr. Randeep, what is this practice? Hon. Minister is replying; let him complete. आप ये क्या कर रहे हैं? आप एक बात सुनिए। आप सुनिए। रणदीप जी, इतना समय हो गया है। जब माननीय मंत्री जी जबाव दे रहे हैं, तो उनके जबाव को सुनिए। ...(**व्यवधान**)... रामजी लाल जी, आप बैठिए।

श्री शिवराज सिंह चौहान: माननीय सभापति महोदय, जब सुरजेवाला जी की सरकार हुआ करती थी, उससे दोगुने एमएसपी के दाम इस सरकार ने दिए हैं। माननीय सभापति महोदय, मैं एक

निवेदन और करना चाहता हूं कि जो उत्पादन की लागत आती है, उस पर 50 परसेंट मुनाफा जोड़कर नरेन्द्र मोदी जी की सरकार minimum support price देती है और हम उस पर खरीद भी कर रहे हैं।

माननीय सभापति महोदय, मैं विनम्रतापूर्वक कहना चाहता हूं कि समिति की रिपोर्ट आएगी, तब हम उचित फैसला करेंगे, लेकिन तब तक हम चुप नहीं बैठे हैं। हम लगातार किसान के हित में फैसले लेते जा रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... केवल इतना ही नहीं, माननीय सभापति महोदय, प्रधान मंत्री किसान सम्मान निधि जैसी योजना, जिसमें सीधे 60,000 करोड़ रुपया हर साल किसानों को देने का काम हमारी सरकार कर रही है। माननीय सभापति महोदय, इतना ही नहीं, गेहूं की खरीद बढ़ी है, किसानों की संख्या बढ़ी है, धान की खरीद बढ़ी है, किसानों का नंबर बढ़ा है और यह सरकार 1 लाख, 68 हजार करोड़ रुपये की सब्सिडी फर्टिलाइज़र पर दे रही है। सभापति जी, एक नहीं, बल्कि ऐसे अनेक कदम सरकार द्वारा उठाए गए हैं, इसलिए मेरा निवेदन है कि यह सरकार किसानों की सरकार है, हम किसानों के हित में लगातार फैसले ले रहे हैं एवं इसके अतिरिक्त और भी जो आवश्यक सुझाव हैं, सरकार उन पर भी प्रधान मंत्री मोदी जी के नेतृत्व में गंभीर है तथा समिति की रिपोर्ट के आने के बाद हम उस पर उचित विचार करेंगे। ..(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Supplementary No. 3. Shri M. Shanmugam. ...*(Interruptions)*...

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : * ..(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Randeep Surjewalaji, nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... I will name. ...*(Interruptions)*... I will name. ...*(Interruptions)*... Are you putting your Supplementary No. 3? ...*(Interruptions)*...

SHRI M. SHANMUGAM: Sir, ...*(Interruptions)*...

श्री सभापति: प्लीज़ बैठ जाइए।..(**व्यवधान**)... Please, please all of you sit down. ...*(Interruptions)*... Mr. Randeep Surjewala, this is absolutely unbecoming of a Member. It is unbecoming of a Member. ...*(Interruptions)*... प्लीज़ बैठ जाइए। ..(**व्यवधान**).....*(Interruptions)*... Please, sit down. ...*(Interruptions)*... मेरी आपसे गुज़ारिश है, प्लीज़, आप मेरी बात सुनिए। Ask all Members to sit down. ...*(Interruptions)*... I will name you. I will name both of you. ...*(Interruptions)*... I will name you. Don't do it, please. ...*(Interruptions)*... Please, go to your seats. ...*(Interruptions)*...Mr. Randeep Surjewala, there are ways. ...*(Interruptions)*...

* Not recorded.

Smt. Rajani Ashokrao Patil, Shri Rajeev Shukla, please take your seats. ...*(Interruptions)*... Take your seats. ...*(Interruptions)*... आप मेरी बात सुनिए। ..(**व्यवधान**)....मुझे बड़ा आश्चर्य हो रहा है। ..(**व्यवधान**)...

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: सर, यह देश के किसानों की बात है। ..(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: रणदीप सिंह सुरजेवाला, आप एक मिनट के लिए चुप रहिए। Mr. Randeep Surjewala. ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... I would name Shri Randep Surjewala. ...*(Interruptions)*... I hereby about to name you. I will name you. ...*(Interruptions)*...Girirajji, please, all of you take your seats. ...*(Interruptions)*...Hon. Members, what is this? ...*(Interruptions)*... What is this? ...*(Interruptions)*...I am on my legs. ...*(Interruptions)*...What is happening? I need absolute silence. I need absolute silence. ...*(Interruptions)*... कमाल की बात है, इतनी बड़ी संसद है, किसान की चर्चा हो रही है, लेकिन आप चर्चा को दोनों तरफ से बाधित कर रहे हैं। ..(**व्यवधान**)...सुनिए, आप अपना आचरण देखिए। क्या आप किसान की यह सेवा कर रहे हैं? ..(**व्यवधान**)...क्या आप किसान की यह सेवा कर रहे हैं? आप चर्चा कीजिए, विचार लाइए, बातें बताइए। ..(**व्यवधान**)...प्लीज़ आप भी चुप रहिए। Smt. Rajini Ashokrao Patil, take your seat. ...*(Interruptions)*...Please, listen to him. ऑनरेबल मेम्बर्स भारत एक किसान प्रधान देश है। सदन के अंदर किसान की चर्चा के समय इतनी गुज़ारिश करूंगा.. ..(**व्यवधान**)..... Shri Jairam Ramesh, you have some problem. ...*(Interruptions)*... You have a problem which is incorrigible. ...*(Interruptions)*... आप किसान के बारे में क्या जानेंगे, आपको किसान का क,ख,ग भी नहीं पता है। ..(**व्यवधान**)...आपको किसान का क,ख,ग भी नहीं पता है। मेरा यह कहना है ..(**व्यवधान**)...आप सुनिए। ..(**व्यवधान**)...रणदीप जी, किसान की सेवा करने का यह तरीका नहीं है। ...(**व्यवधान**)... किसान की सेवा करने का तरीका है... ..(**व्यवधान**)...मैं सोच रहा था कि आप कहाँ गायब हो गए। ...(**व्यवधान**)... माननीय सदस्यगण, मैं किसान परिवार से आता हूँ, मैं किसान के संकट को जानता हूँ। ...(**व्यवधान**)... माननीय मंत्री जी ने जो कहा है और जिस विस्तार से कहा है, उस पर आपको आपत्ति हो सकती है। ...(**व्यवधान**)... यदि आपको आपत्ति है, तो आप इनकी बात का जवाब दीजिए, तरीका अपनाइए। ...(**व्यवधान**)... मंत्री जी बोल रहे हैं और बीच में खड़े हो रहे हैं। देश को क्या संदेश दे रहे हैं? ...(**व्यवधान**)... रणदीप सुरजेवाला जी तो तुरंत खड़े हो जाते हैं, हाथ खड़े कर देते हैं। ...(**व्यवधान**)... पहले जवाब सुनिए। ...(**व्यवधान**)... मुझे बड़ा आश्चर्य है कि क्या आपने जवाब पढ़ा है? ...(**व्यवधान**)... रणदीप जी, अगर आप पढ़ते, तो नहीं बोलते। ...(**व्यवधान**)... आप बैठ जाइए। ...(व्यवधान)... I have not given you permission. I have not given you permission. ...*(Interruptions)*... I have given permission to none on this side. The hon. Minister has very exhaustively, विस्तार से बता रहे हैं कि कदम उठा रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... जया जी, मंत्री जी कह रहे हैं कि वे हर दिन, हर पल कार्यरत हैं। ...(**व्यवधान**)... किसी समिति का इंतजार नहीं कर रहे हैं। ...(व्यवधान)... माननीय मंत्री जी। ...(**व्यवधान**)... षनमुगम जी। ...(व्यवधान)...

MS. SUSHMITA DEV: And, you don't take their names!*...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: Third Supplementary, Shri Shanmugam. Only what Mr. Shanmugam says will go on record. *...(Interruptions)...* And, if anyone rises now, I will name the Member, either this side or that side, if they don't follow the protocol. *...(Interruptions)...*Jayaji, please take your seat. Thank you, Madam. Mr. Shanmugam, you put your Supplementary. किसान के मामले में चर्चा कीजिए, प्लीज़। For heaven's sake, अन्नदाता की इज्जत कीजिए और चर्चा कीजिए। ...(**व्यवधान**)... डिस्टर्ब मत कीजिए, व्यवधान मत कीजिए। ...(व्यवधान)... आप प्लीज़ अपना सप्लीमेंट्री पूछिए। ...(**व्यवधान**)... मैं जानता हूँ कि आप अनुभवी आदमी हैं, अच्छा सप्लीमेंट्री पूछेंगे और मंत्री जी जवाब देंगे। प्लीज़, शनमुगम जी।

SHRI M. SHANMUGAM: Mr. Chairman, Sir, tea and coffee are very essential for everyone in the country. It is a very long pending demand that tea and coffee should be included under the Essential Commodities, because there is no MSP for tea and coffee. So, all sections, including growers, are demanding for this one. So, I would like to know from the hon. Minister the progress made by the Government regarding inclusion of tea and coffee under MSP.

श्री सभापतिः मंत्री जी, बहुत अच्छा प्रश्न पूछा है। टी और कॉफी के किसानों के लिए बहुत सार्थक प्रश्न पूछा है। ...(**व्यवधान**)... I appreciate the hon. Member for focussing in a very constructive manner for welfare of farmers and workers in both tea and coffee trade. Please, hon. Minister.

श्री शिवराज सिंह चौहानः माननीय सभापति महोदय, मैं माननीय सदस्य की भावना का स्वागत करता हूँ, लेकिन एमएसपी अभी 23 फसलों पर दी जा रही है और चाय और कॉफी का विषय पीयूष गोयल जी का मंत्रालय देखेगा।

श्री सभापतिः मंत्री जी, मैं एक बात और कहता हूँ कि मैंने... ...(**व्यवधान**)... एक सेकंड सुनिए। ...(**व्यवधान**)... जब मंत्रालय का विभाजन हो गया, तब मैंने माननीय पीयूष गोयल जी को आधिकारिक रूप से बुलाया और कहा कि आपके नीचे जो डेढ़ दर्जन उपक्रम हैं, उनमें ज्यादातर कृषि से जुड़े हुए हैं। आपको टी बोर्ड का, कॉफी बोर्ड का, रबर बोर्ड का, अपेडा का ध्यान है। मैं सदस्यों का वेलकम करूँगा और इस विषय के ऊपर कोई प्रस्ताव आएगा, I will have Half-an-Hour discussion on this. माननीय सदस्य ने यह बहुत अच्छा सुझाव उठाया है। I congratulate the hon. Member for raising a genuine point in favour of farmers, for traders and for workers. क्योंकि मैंने देखा कि चाय में वेल्यू एडीशन नहीं हो रहा है। वेल्यू एडीशन और लोग

करते हैं। So, let us cooperate like this. माननीय मंत्री जी मैं उम्मीद करता हूँ कि कृषि मंत्रालय एंड the Ministry of Commerce & Industry will get together and come back to this House in the next Session with the steps they have taken with respect to Supplementary raised by the hon. Member.

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला : *

श्री सभापति : सुनिए, सुनिए। Nothing will go on record. ***...(Interruptions)...*** Pramod Tiwariji, I will be forced to invoke my powers, because Mr. Shaktisinh Gohil... ***...(Interruptions)...***Yes, please, you are finding an excuse to play politics and not to serve the farmers. No, you are not serving the farmers. ***...(Interruptions)...*** You are doing injustice to farmers. ***...(Interruptions)...*** I will not ***...(Interruptions)...*** मैं सदन में ...(**व्यवधान**)...प्लीज़, बैठिए। ...(**व्यवधान**)... What is this? ***...(Interruptions)...*** Your people are disturbing. ***...(Interruptions)...*** What is this? ***...(Interruptions)...*** What is happening? ***...(Interruptions)...*** We are having an important discussion. ***...(Interruptions)...*** श्री रणदीप सुरजेवाला ...(**व्यवधान**)... सुनिए, आप आदत को बदलिए। ...(**व्यवधान**)... आप आदत को बदलिए। ...(**व्यवधान**)... मैं आपसे ज्यादा किसान हूं। मैं आपसे ज्यादा समझता हूं। किसान पर चर्चा नहीं होने दे रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... मंत्री जी आए हैं, मंत्री जी कहते, सुनो ...(**व्यवधान**)... Nothing will go on record. ***...(Interruptions)...*** Nothing will go on record. You keep on shouting. ***...(Interruptions)...***

SHRI RANDEEP SINGH SURJEWALA:*

MR. CHAIRMAN: Now, you shout for five minutes; I sit here. ***...(Interruptions)...*** किसान की चर्चा है, आप नहीं करना चाहते हैं, मत कीजिए। ...(**व्यवधान**)... आप किसान का अनादर कर रहे हैं, अन्नदाता पर छुरा घोंप रहे हैं। यह मुझे पसंद नहीं है। ...(**व्यवधान**)... I don't want this. ***...(Interruptions)...*** You are provoking. ***...(Interruptions)...*** You are provoking, how I can stop them? ***...(Interruptions)...*** You are provoking them. ***...(Interruptions)...*** Please take your seat. ***...(Interruptions)...*** Take your seat. ***...(Interruptions)...*** Take your seat. ***...(Interruptions)...*** Hon. Members, I am constrained to name Shri Randeep Singh Surjewala, Shri Shaktisinh Gohil ***...(Interruptions)...*** सुनिए, जो फांसी पर टांगने के काम करते हैं, यहां आप किसान को फांसी पर टांग रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... आप चर्चा नहीं करने दे रहे हैं। किसान की चर्चा नहीं करने दे रहे

---

* Not recorded.

हैं। ...(**व्यवधान**)... आप क्या कर रहे हैं? Nothing will go record. ...(**व्यवधान**)... आप किसान का अनादर कर रहे हैं। मैं यह आपको कह रहा हूं कि आप राजनीति कर रहे हैं। मैं आंखों से देख रहा हूं। ...(**व्यवधान**)... मंत्री जी ईमानदारी, पारदर्शिता और लगन से अपनी बात कह रहे हैं। पहली बार एक मंत्री ने आकर किसानों के हित की बात कही है, दिल से किसान की बात की है और किसान की पीड़ा को समझा है। ...(**व्यवधान**)... नहीं, प्लीज़ आप बैठ जाइए। मेरी आपसे हाथ जोड़कर विनती है, अन्नदाता की इज्जत कीजिए, किसान की इज्जत कीजिए। ...(**व्यवधान**)... प्लीज़ बैठ जाइए। ***...(Interruptions)...*** Nothing will go on record. ***...(Interruptions)...*** प्रमोद तिवारी जी ...(**व्यवधान**)... प्रमोद जी, यह क्या रट लगा रखी है...(**व्यवधान**)... Nothing is going on record. ***...(Interruptions)...*** प्रमोद जी, मैं दुखी मन से कह रहा हूं कि श्री रणदीप सुरजेवाला यह संकेत देना चाहते हैं कि वे हितैषी हैं, वे हितैषी नहीं है। आप दुश्मनी निकाल रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... चर्चा नहीं होने दे रहे हैं। किसान से दुश्मनी निकाल रहे हैं। यह पीड़ादायक है। ...(**व्यवधान**)... किसान से दुश्मनी मत निकालिए। आपका किसान से क्या बैर है? आप मुझे बताइए कि किसान से क्या बैर है? ...(**व्यवधान**)... चर्चा क्यों नहीं होने दे रहे हैं? ...(**व्यवधान**)... आप तो दस साल रहे हैं, आप तो शासन में दस साल रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... क्या दस साल में कोई महारथ कर दी, आपने कोई छलांग लगा दी? आप क्या बात कर रहे हैं? ...(**व्यवधान**)...आप बैठिए, गिरेबान में देखिए, गिरेबान में झांकिए। Do not force me. ***...(Interruptions)...*** मुझे बहुत कुछ बोलना पड़ सकता है। मैं किसान के मामले में यह नहीं करने दूंगा। ...(**व्यवधान**)... किसान की चर्चा होगी। **...(व्यवधान)...**डा. सस्मित पात्रा **...(व्यवधान)...** Hon. Members, I name ***...(Interruptions)...*** Randeep Singh Surjewala is hereby named. He should immediately withdraw from the House. ***...(Interruptions)...*** Please withdraw from the House. ***...(Interruptions)...*** You are directed to withdraw from the House. ***...(Interruptions)...*** For causing disturbance, for coming in the way of discussion on farmers ***...(Interruptions)...*** Please sit down. ***...(Interruptions)...*** Sit down all of you. ***...(Interruptions)...*** What is happening? Randeep Singh Surjewala is hereby named. He is requested to withdraw from the House. ***...(Interruptions)...*** Please; please. ***...(Interruptions)...*** Nothing will go on record. ***...(Interruptions)...*** Randeep Singh Surjewala is named and he needs to withdraw. ***...(Interruptions)...*** Randeep*ji*, you are defying the Chair. ***...(Interruptions)...*** You are continuously defying the Chair. ***...(Interruptions)...*** आप चेयर को डिफाई कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... किसान हित की चर्चा नहीं होने दे रहे हैं। किसान की डिबेट को फ्रस्ट्रेट कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... नहीं, यह गलत बात है। यह पीड़ादायक बात है और मैं कहूंगा कि ऐसा आचरण नहीं होना चाहिए। ...(**व्यवधान**)... कैसे दे दें, मैं कह चुका हूं ...(**व्यवधान**)... Randeep*ji*, please withdraw. ***...(Interruptions)...***

MR. CHAIRMAN: Randeepji, please withdraw.

SHRI RANDEEP SINGH SURJEWALA: Sir, I will withdraw but let the Minister answer*...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: Please withdraw. *...(Interruptions)...* Pramodji, please see this. *...(Interruptions)...*

श्री प्रमोद तिवारी : सर, एक सवाल पूछने दीजिए। ...(**व्यवधान**)... वे एक सवाल, एक सप्लीमेंटरी चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: सुनिए, एक सेकंड, बैठिए, बैठिए। ...(**व्यवधान**)... इनको बोलने दीजिए न! ...(**व्यवधान**)... आपके नेता यहाँ हैं। ...(**व्यवधान**)... आपके नेता हैं, इनको बोलने दीजिए न! बाकी लोग बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)... बाकी लोग बैठ जाइए। ...(**व्यवधान**)... Randeep*ji*, take your seat. *...(Interruptions)..* आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... माननीय सदस्य, सुनिए, सुनिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री प्रमोद तिवारी: सर, मैं सिर्फ एक अनुरोध करूँगा, आपने मुझे बोलने के लिए कहा न।

श्री सभापति: हाँ, हाँ।

श्री प्रमोद तिवारी: मेरा एक अनुरोध है कि सुरजेवाला जी को एमएसपी के बारे में एक सवाल कि लीगल शेप देंगे या नहीं देंगे, पूछने की इजाजत दे दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: बैठिए, बैठिए। ...(**व्यवधान**)... बैठिए, बैठिए। ...(**व्यवधान**)... कुछ बीमारी है। ...(**व्यवधान**)... प्रमोद जी, पीछे देखिए। ...(**व्यवधान**)... पीछे देखिए। ...(**व्यवधान**)... पीछे देखिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री अखिलेश प्रसाद सिंह: सर, ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: मान्यवर, आप तो बहुत सीनियर हैं महादेव की कृपा से। ...(**व्यवधान**)... महादेव की कृपा से आप स्थान ग्रहण कीजिए। ...(**व्यवधान**)... आपने कल महादेव जी का नाम लिया। महादेव जी की कृपा से किसान पर भी कृपा कीजिए। ...(**व्यवधान**)... आपने अच्छा किया, आप खड़े हो गए, मुझे महादेव जी की याद आ गई। ...(**व्यवधान**)... I will consider it.

SHRI RANDEEP SINGH SURJEWALA: Sir, why the Agriculture Minister cannot ... *...(Interruptions)..*

MR. CHAIRMAN: Yes, Mr. Piyush Goyal.

वाणिज्य और उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल): सर, आपने बहुत सही फरमाया ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: बैठिए, बैठिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री पीयूष गोयल: आपने बहुत सही फरमाया कि महादेव जी की इनके ऊपर बहुत कृपा है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: कृषि मंत्री जी जवाब दे रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... कृषि मंत्री जी को ऐसे कम मत आँकिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री पीयूष गोयल: और उसका भुगतान उन्होंने चुनाव में भी बहुत बड़े तरीके से दे दिया है।

श्री सभापति: कृषि मंत्री जी देश के अग्रणी श्रेणी के नेता हैं। ...(**व्यवधान**)... कृषि मंत्री जी को किसी की मदद नहीं चाहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री पीयूष गोयल : माननीय सभापति जी, महादेव जी की इनके ऊपर बहुत ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Will you take your seat, please? *...(Interruptions)..*

श्री पीयूष गोयल: सर, उनकी चिंता मत करिए। ...(**व्यवधान**)... महादेव जी की इनके ऊपर बहुत कृपा है और उसके कारण उन्होंने चुनाव में बहुत भुगतान भी पाया। ...(**व्यवधान**)... 'महादेव' इनके साथ जुड़ा हुआ है और ये हर काम में महादेव जी का नाम लेते हैं, पर बदनामी का करते हैं। ...(**व्यवधान**)... सभापति जी, एक ही मिनट। ...(**व्यवधान**)... आपने सही फरमाया कि यह सोची-समझी रणनीति है। ...(**व्यवधान**)... ये सोची-समझी रणनीति के हिसाब से यह कोशिश कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Supplementary no. 4; Dr. Sasmit Patra. *...(Interruptions)..*
Not there. *...(Interruptions)..*

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: सर, आपने मुझे सप्लीमेंटरी पूछने की इजाजत दी थी। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आपके यहाँ पहले पूछा हुआ है। ...(**व्यवधान**)...

श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला: आप मुझे इजाजत देंगे, आप ही ने कहा था। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: No; the House is not in order. ...*(Interruptions)*..

SHRI RANDEEP SINGH SURJEWALA: I request you, Sir. . ...*(Interruptions)*..

MR. CHAIRMAN: No; I will not budge. ...*(Interruptions)*.. माननीय मंत्री जी। ...(**व्यवधान**)...

श्री शिवराज सिंह चौहान: माननीय सभापति महोदय, ...(**व्यवधान**)... माननीय सभापति महोदय, मैं निवेदन करना चाहता हूँ, ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: मंत्री जी, एक सेकंड। ...(**व्यवधान**)... बैठिए, बैठिए। ...(**व्यवधान**)... बैठिए, बैठिए। ...(**व्यवधान**)... बैठिए। ...(**व्यवधान**)... एक बार आप बैठेंगे। ...(**व्यवधान**)... कृपा करेंगे। ...(**व्यवधान**)... एक सेकंड। ...(**व्यवधान**)... एक सेकंड। ...(**व्यवधान**)... एक सेकंड। ...(**व्यवधान**)... Can you keep quiet? ...*(Interruptions)*.. प्रमोद जी, यह कौन सा तरीका है कि जब एक आदमी सप्लीमेंटरी पूछता है, मंत्री जवाब देते हैं और सुरजेवाला जी हर बार खड़े हो जाते हैं? यह कौन सा आचरण है? ...(**व्यवधान**)... बैठिए, एक बार बैठिए। ...(**व्यवधान**)... दूसरा, ...(**व्यवधान**)... दूसरा, ...(**व्यवधान**)... दूसरा, मैं सप्लीमेंटरी पूछते टाइम बहुत ध्यान रखता हूँ कि हर वर्ग का representative हो। अभी तो सप्लीमेंटरी बाकी हैं। ...(**व्यवधान**)... पर अगर मैं व्यवधान करने वाले को प्रोत्साहित करूँगा, ...(**व्यवधान**)... ऐसा मैं नहीं करूँगा। ...(**व्यवधान**)... आप मुझे माफ कीजिए। ...(**व्यवधान**)... मैं नहीं करूँगा। ...(**व्यवधान**)... No; I will not do. ...*(Interruptions)*.. प्लीज़, ...(**व्यवधान**)... बैठिए प्लीज़। ...(**व्यवधान**)... एक सेकंड। ...(**व्यवधान**)... Please hear the hon. Minister.

श्री शिवराज सिंह चौहान: माननीय सभापति महोदय, मैं बहुत विनम्रता के साथ कहना चाहता हूँ कि प्रधान मंत्री, नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अधिकतम एमएसपी पर खरीदी हुई है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप सुनिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री शिवराज सिंह चौहान: और इस साल भी तुअर, मसूर और उड़द किसान जितनी पैदा करेगा, यह सरकार खरीदेगी। हमने 'समृद्धि पोर्टल' बनाया है। ...(**व्यवधान**)... हमने 'समृद्धि पोर्टल' बनाया है। ...(**व्यवधान**)... किसान रजिस्ट्रेशन करवाए। ...(**व्यवधान**)... उसकी पूरी उपज खरीदेगी। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति प्रमोद जी, कुछ कीजिए। ...(**व्यवधान**)... नहीं करेंगे। ...(**व्यवधान**)...

श्री शिवराज सिंह चौहानः माननीय सभापति महोदय, आंकड़े गवाह हैं कि जब इनकी सरकार थी, तब खरीदी कितनी होती थी और जब हमारी सरकार है, तब कितनी खरीदी होती है।

...(**व्यवधान**)... माननीय सभापति महोदय, 2004-05 से 2013-14 के बीच केवल 45 करोड़, 90 लाख मीट्रिक टन खरीदी हुई और जब यह सरकार थी, तो 2013-15 से लेकर 2023-24 के बीच 69 करोड़, 18 लाख मीट्रिक टन खरीदी हुई। ...(**व्यवधान**)... माननीय सभापति महोदय, ये घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... गेहूँ की खरीद 2004-05 से 2013-14 के बीच 21 करोड़ मीट्रिक टन थी, जो बढ़ कर 35 करोड़, 38 लाख मीट्रिक टन हो हुई। ...(**व्यवधान**)... ऐसा इस सरकार ने किया है। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Pramodji, you are forcing my hands. ...*(Interruptions)*... ये बैठ ही नहीं सकते। ...(**व्यवधान**)...

श्री शिवराज सिंह चौहानः माननीय सभापति महोदय, अब इनको सुनना पड़ेगा। ...(**व्यवधान**)... दलहन की खरीद...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः क्या मैं सप्लीमेंटरी गन की नोक पर दूँगा? ...(व्यवधान)... क्या आप यहाँ मेरे पर तलवार रख कर लेंगे? ...(**व्यवधान**)... I will not do it. ...*(Interruptions)*... I will not budge. ...*(Interruptions)*... मेरे पास पेपर्स हैं। ...(**व्यवधान**)... मैं तरीके से इनको देख कर यह करता हूँ। ...(**व्यवधान**)... And I do it in a manner which is fair and equitable. ...*(Interruptions)*... I don't encourage a person who rises every second; doesn't allow anyone to speak; does not have the patience to listen to the hon. Minister. ...*(Interruptions)*... रणदीप जी, आप बच्चे की तरह जिद क्यों कर रहे हैं? ...(**व्यवधान**)... Please don't do it. No, please. ...*(Interruptions)*... Nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... I don't want to join issue with you. ...*(Interruptions)*...

श्री शिवराज सिंह चौहानः मुझे बोलने तो दो। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: I don't want to ... ...*(Interruptions)*... What are you doing? ...*(Interruptions)*... Nothing is going on record. ...*(Interruptions)*... Nothing except what the hon. Minister says. ...*(Interruptions)*...

श्री शिवराज सिंह चौहानः माननीय सभापति महोदय, ...(**व्यवधान**)... माननीय सभापति महोदय, मुझे मेरी बात पूरी करने दी जाए। ...(**व्यवधान**)... देश ध्यान से सुने। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः मंत्री जी, ...(**व्यवधान**)... मंत्री जी, आप देश की जनता को सदन के माध्यम से जानकारी दीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री शिवराज सिंह चौहानः माननीय सभापति महोदय, दलहन की खरीद 2004-05 से 2013-14 केवल 6 लाख मीट्रिक टन थी। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Nothing is going on record. ...*(Interruptions)*... Please go ahead. ...*(Interruptions)*...

श्री शिवराज सिंह चौहानः केवल 6 लाख मीट्रिक टन थी, जो अब बढ़ कर 1 करोड़, 67 लाख मीट्रिक टन हो गई है। ...(**व्यवधान**)... ये घड़ियाली आंसू बहा रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... माननीय सभापति महोदय, तिलहन की खरीद, जब इनकी सरकार थी, केवल 50 लाख मीट्रिक टन थी, जो बढ़ कर 87 लाख मीट्रिक टन हो गई है। ...(**व्यवधान**)...

माननीय सभापति महोदय, ये बड़ी बातें कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... धान की खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः प्रमोद जी, यह क्या तरीका है? ...(**व्यवधान**)... आप कुछ तो सोचिए। ...(**व्यवधान**)... कुछ तो सोचिए। ...(**व्यवधान**)... I am surprised. ...*(Interruptions)*...

श्री शिवराज सिंह चौहानः माननीय सभापति महोदय, ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः आप माननीय मंत्री जी को सुनिए। ...(**व्यवधान**)... माननीय मंत्री जी को सुनिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री शिवराज सिंह चौहानः माननीय सभापति महोदय, ...(**व्यवधान**)... किसान को ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः आप फिर देखिए। ...(**व्यवधान**)... फिर देखिए। ...(**व्यवधान**)... इनको क्या है कि कोई ऐसी चीज आनी चाहिए कि मैंने पार्टिसिपेट किया। ...(**व्यवधान**)... साहब, यह किसान का मामला है। ...(**व्यवधान**)... मेरा भी तो जी होता है। ...(**व्यवधान**)... मैं मंत्री जी से जानना चाहता हूँ। ...(**व्यवधान**)... आपने कितना अच्छा सुझाव दिया! ...(**व्यवधान**)... आप सुनिए। आज के प्रश्न का सबसे बड़ा फायदा यह है कि एक माननीय सदस्य ने चाय और कॉफी के बारे में इतनी गम्भीर बात कही है, जिसका नतीजा निकलेगा। ...(**व्यवधान**)... मैं सार्थक चर्चा चाहता हूँ। ...(**व्यवधान**)... आप बैठिए। ...(**व्यवधान**)... माननीय मंत्री जी।

श्री शिवराज सिंह चौहानः माननीय सभापति महोदय, ये कपास की गांठें जो खरीदते थे, केवल 26 लाख गांठें खरीदते थे, हमने बढ़ा कर 31.17 लाख कपास की गांठें खरीदी हैं। ...(**व्यवधान**)... माननीय सभापति महोदय, संस्थागत ऋण - इनके समय में ऊँची ब्याज की दरों पर मिलता था, केवल 7.3 लाख करोड़ मिलता था। यह नरेन्द्र मोदी जी की सरकार है, अब 25 लाख करोड़ रुपए का संस्थागत ऋण दिया जा रहा है। ...(**व्यवधान**)...

माननीय सभापति महोदय, जब इनकी सरकार थी, धान की खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य से लाभान्वित किसान केवल 78 लाख थे, जो अब बढ़ कर 1 करोड़, 3 लाख, 82

हजार, 248 हो गए हैं। ...(**व्यवधान**)... माननीय सभापति महोदय, गेहूँ की खरीद के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य से लाभान्वित होने वाले किसान केवल 20 लाख थे, जो अब 22 लाख, 69 हजार, 265 हो गए हैं। ...(**व्यवधान**)...

माननीय सभापति महोदय, आप मुझे इजाजत दीजिए। ये केवल राजनीति कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... स्वामीनाथन कमेटी की रिपोर्ट में जब यह कहा गया कि लागत पर 50 परसेंट मुनाफा देकर समर्थन मूल्य घोषित करना चाहिए।...यूपीए सरकार में जब मनमोहन सिंह जी प्रधान मंत्री थे, तो उन्होंने साफ तौर से कहा था, यह कैबिनेट नोट है, जिसको मैं सदन के सामने रखना चाहता हूँ, उन्होंने यह कहा कि एमएसपी को उत्पादन की भारित औसत लागत से 50 परसेंट अधिक तय करने की सिफारिश पर यूपीए सरकार ने कैबिनेट में यह कहते हुए स्वीकार नहीं किया कि सीएसीपी द्वारा प्रासंगिक कारकों की व्यवस्था पर विचार करते हुए एक वस्तुनिष्ठ मानदंड के रूप में एमएसपी की सिफारिश की गई है, इसलिए लागत पर कम-से-कम 50 परसेंट की वृद्धि निर्धारित करना बाजार को विचलित कर सकता है।...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Hon. Minister, put it on the Table of the House. ...(*Interruptions*)...

श्री शिवराज सिंह चौहानः सर, उन्होंने 'स्वामीनाथन आयोग' की सिफारिश को स्वीकार करने से इंकार कर दिया।...(**व्यवधान**)... तत्कालीन कृषि मंत्री, श्री कांतिलाल भूरिया जी ने कहा था कि इसको स्वीकार नहीं किया जा सकता है।...(**व्यवधान**)... सम्मानित शरद पवार जी, जो उस सरकार में मंत्री थे, उन्होंने भी कहा कि सरकार सीएसीपी की सिफारिशों के आधार पर एमएसपी तय करती है, इसलिए पहचानने की आवश्यकता है कि उत्पादन लागत और एमएसपी के बीच कोई आंतरिक संबंध नहीं हो सकता और उन्होंने इसको इंकार कर दिया।...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Nothing will go on record. ...(*Interruptions*)...

श्री शिवराज सिंह चौहानः सर, मंत्री के.वी. थॉमस का यह जवाब है कि इस सिफारिश को सरकार ने स्वीकार नहीं किया है, क्योंकि एमएसपी की सिफारिश कृषि लागत और मूल्य आयोग द्वारा वस्तुनिष्ठ मानदंडों के आधार पर प्रासंगिक कारकों की व्यवस्था पर विचार करते हुए की जाती है।...(**व्यवधान**)... यह इनकी सरकार का कैबिनेट नोट है।...(**व्यवधान**)... माननीय सभापति महोदय, मैं इसको आपके सामने रखता हूँ, लेकिन इस कैबिनेट नोट में इन्होंने 'राष्ट्रीय किसान आयोग' द्वारा राष्ट्रीय नीति में शामिल न की गई सिफारिश के तहत यह कहा है कि जब यह सिफारिश की गई कि एमएसपी को उत्पादन की भारित औसत लागत से कम-से-कम 50 परसेंट से अधिक होना चाहिए, तब कैबिनेट नोट में यह लिखा कि एमएसपी की सिफारिश सीएसीपी द्वारा संबंधित घटकों पर विचार करते हुए वस्तुपूरक मानदंड पर की जाती है, अतः लागत पर कम-से-कम 50 परसेंट की वृद्धि निर्धारित करने से मंडी में विकृति आ सकती है।...(**व्यवधान**)... कुछ मामलों में एमएसपी और उत्पादन की लागत के बीच मैकेनिकल लिंकेज प्रतिबाधक हो सकता है, इसलिए इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है।...(**व्यवधान**)... यह इनका चेहरा है।...(**व्यवधान**)... सर, मैं इसको सभा पटल पर रखता हूँ।...(**व्यवधान**)...

माननीय सभापति महोदय, यह इनका असली चेहरा है। ये किसान के नाम पर केवल राजनीति करना चाहते हैं।...(**व्यवधान**)... ये देश को अराजकता में झोंकना चाहते हैं, लेकिन मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ कृषि मंत्री के रूप में कहता हूँ कि हम प्रधान मंत्री जी के नेतृत्व में खेती को लाभ का धंधा बनाने और किसानों की आमदनी दोगुनी करने में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।...(**व्यवधान**)... हम दिन और रात काम करेंगे। कई फैसले लिए गए हैं और आगे भी किसान हितैषी फैसले लिए जाते रहेंगे।...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः श्री बंशीलाल गुर्जर। कृपया आप अपना सप्लीमेंटरी प्रश्न पूछिए।...(**व्यवधान**)... Nothing will go on record. ...(*Interruptions*)...

श्री बंशीलाल गुर्जरः माननीय सभापति महोदय, वैसे माननीय मंत्री जी ने बताया है, लेकिन फिर भी मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूँ कि 2004 से 2013-14 के बीच दलहन की कितनी खरीदी की गई और 2014-2024 के बीच में दलहन की कितनी खरीदी हुई है? ...(**व्यवधान**)... क्या सरकार ने देश को दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाने के लिए कोई योजना बनाई है? ...(**व्यवधान**)... यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उसकी अब तक की प्रगति क्या है? ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः माननीय मंत्री जी। महत्वपूर्ण प्रश्न है।...(**व्यवधान**)...

श्री शिवराज सिंह चौहान: माननीय सभापति महोदय, बंशीलाल जी ने बहुत महत्वपूर्ण सवाल पूछा है। ...(**व्यवधान**)...मैं सिर्फ यह जानकारी देना चाहता हूँ कि वर्ष 2004-05 से लेकर वर्ष 2013-14 के बीच केवल 6 लाख 29 हज़ार मीट्रिक टन दलहन खरीदी जाती थी और हमारी सरकार, मोदी जी की सरकार 1 करोड़ 70 लाख मीट्रिक टन दलहन खरीद रही है, यानी 25 गुना ज्यादा खरीद रही है। ...(**व्यवधान**)... माननीय सदस्य, बंशीलाल जी स्वयं एक विद्वान कृषक हैं। ...(**व्यवधान**)... मैं निवेदन करना चाहता हूँ कि दलहन के उत्पादन को बढ़ाने के लिए इस बार हमने तय किया है कि मसूर, उड़द और तूर पूरी मिनिमम सपोर्ट प्राइस पर खरीदी जाएगी, चिंता न करें। ...(**व्यवधान**)... देश का किसान दलहन पैदा करे, हम खरीदने का काम करेंगे। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over. ...*(Interruptions)*...